श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ सह सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 23 * अंक : 24 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 मार्च 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

दादा गुरुदेव की पुण्य-स्थली पर नतमस्तक हुए पुण्य-सम्राट के पट्टधर : गुरुभक्तों का लगा मेला

श्री मोहनखेड़ा तीर्थ, (स. सं),

चैत्य परिपाटी में द्वय पट्टधर

विस्तुतिक जैन संघ के जैनाचार्य, अध्यात्म-योगी, अभिधान राजेन्द्र कोष के प्रणेता, विश्वपूज्य गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के सप्तम पट्टधर एवं राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर, प्रवचनकार आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. और मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. आदि श्रमण-

सामूहिक दर्शन-वन्दन

श्रमणिवृन्द के साथ दिनांक 8-3-2018 को श्री मोहनखेड़ा तीर्थ में देश के विभिन्न श्रीसंघों एवं हजारों गुरुभक्तों के साथ तीर्थपति दादा आदिनाथ एवं दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरिजी म. सा. के दर्शन-वन्दन करने भव्यातिभव्य मंगल प्रवेश हुआ।

तीर्थ द्वार पर ट्रस्ट द्वारा अगवानी

गुरु दरबार में प्रवचन

आचार्यद्वय आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में भव्य चैत्य परिपाटी राजगढ नगर से प्रातः 9 बजे बैण्ड, ढोल, घोड़े, बग्घी, नृत्य मण्डलियों के साथ प्रस्थान कर गुरुभक्त जयकारों का गुँजायमान करते हुए श्री मोहनखेड़ा तीर्थ पधारे। यहाँ श्री मोहनखेड़ा तीर्थ ट्रस्टीगणों ने गहुँली कर अगवानी की। तीर्थ भूमि पर परमात्मा एवं

पुण्य-सम्राट को माल्यार्पण

गुरुदर्शन के पश्चात् तीर्थ पर स्थित पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री द्वारा स्थापित श्री जयन्तसेन म्यूझियम के प्रांगण में विशाल धर्मसभा का आयोजन किया गया।

म्यूझियम परिसर में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की 11 वें मासिक पुण्योत्सव एवं वर्षीतप के हजारों तपस्वीरत्नों को तप उच्चारणे का विधान द्वय पट्टधरों की निश्रा में सम्पन्न हुआ। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ पुण्य-सम्राट गुरुदेव को माल्यार्पण कर किया गया।

गच्छाधिपतिश्री मंगलाचरण करते

गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. ने मंगलाचरण करते हुए कहा कि गुरुदेव की कृपा का सुफल है कि आज उनके नाम से भक्तों के काम हो रहे है और जिनशासन प्रभावना के अभूतपूर्व कार्य सम्पन्न हो रहे है।

माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघ शिल्पी आचार्यदेवेशश्री ने पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री द्वारा की गई शासन प्रभावना का अद्वितीय बताया। उन्होंने कहा कि माण्डवपुर, मोहनखेड़ा और भरतपुर को सजाने और सँवारने में गुरुदेव का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री एवं पूज्य गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. के महती योगदान से ही आज मोहनखेड़ा तीर्थ का भव्य स्वरूप दिखाई दे रहा है। वर्षीतप के आराधकों की सुखसाता पृच्छा करते हुए कहा

देश भर से पधारे गुरुभक्त

आचार्यप्रवरश्री प्रवचन प्रदान करते

कि पुण्योदय के कारण ही मानव तप करते हुए अपने अशुभ कर्मबन्धनों को तोड़ता है। तीर्थंकरों ने भी अपने निकाचित कर्मों को तप के माध्यम से नष्ट करते हुए तीर्थंकर पद प्राप्त किया है। आप सभी का पुण्योदय तो है ही परन्तु पुण्य-सम्राट का स्वप्न साकार करने हेतु आपने गुरुभक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है वह अनुमोदनीय एवं चिरस्मरणीय रहेगा

मुनिराज श्री निपुणरत्नविजयजी म. सा., श्री चारित्र-रत्नविजयजी म. सा. आदि ने गुरु महिमा की महत्ता बताते हुए अपना सारगर्भित प्रवचन प्रदान किया।

पट्टधरों को काम्बली ओढ़ाते

धर्मसभा में साध्वीवृन्द

मोहनखेड़ा तीर्थ पुण्यभूमि पर प्रथम आगमन के अवसर पर श्री जयन्तसेन म्यूझियम ट्रस्ट मण्डल द्वारा पुण्य-सम्राट के पट्टधरद्वय को काम्बली ओढ़ाई गई।

इस अवसर पर देश के विभिन्न नगरों के श्रीसंघ, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश शासन के प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति एवं विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे।

श्रीसंघ एवं परिषद् कार्यकर्ताओं ने इस अविस्मरणीय आयोजन में अपनी पूर्ण सहभागिता समर्पण के साथ रखकर शासन एवं गुरुगच्छ की महिमा बढ़ाई वह अनुमोदनीय है। पधारे हुए गुरुभक्तों की स्वामीभक्ति म्यूझियम ट्रस्ट द्वारा की गई।

पुण्य-सम्राट के पट्टधर आचार्यद्वय की पावन निश्रा में मालव धर्मधरा पर प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न ग्राम-नगरों में गुरुभक्तों ने की भव्य अगुवानी

माण्डवपुर (स. सं.),

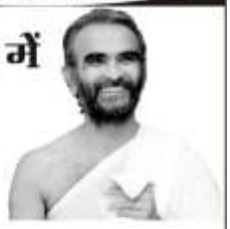

राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. आदि विशाल साधु-साध्वी भगवन्तों की पावन निश्रा में मालव धर्मधरा लाबरिया नगर में भव्यातिभव्य प्रतिष्ठा पंचाह्निका महोत्सव सम्पन्न एवं नगर-नगर में गुरुभक्तों ने की भव्य अगुवानी कर स्वागत-अभिनन्दन किया।

आचार्यद्वय का बदनावर व बख्तगढ़ नगर में पावन पदार्पण

बदनावर,

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का पावन पदार्पण मध्यप्रदेश बदनावर नगर में हुआ। बदनावर नगर आगमन पर नगर के राजमार्ग पर स्थित एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की पावन प्रेरणा से स्थापित श्री राजेन्द्रसूरि शताब्दी जैन पब्लिक स्कूल पधारे जहाँ पर ट्रस्ट मण्डल और अध्यापकों सहित विद्यार्थियों ने गुरुभगवन्तों का स्वागत किया। यहाँ आचार्यद्वय का मांगलिक हुआ। आचार्यद्वय के साथ मुनिमण्डल का बदनावर श्रीसंघ ने भव्य सामैया के संग स्वागत करते हुए शोभायात्रा के साथ नगर प्रवेश करवाया। राजमार्ग पर गुरुभक्तों ने गहुँली कर गुरुभगवन्तों को बधाया। आचार्यद्वय श्रीसंघ के साथ नगर के विभिन्न जिनालयों के दर्शन कर धर्मसभा में पधारे जहाँ गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेशश्री सहित मुनिभगवन्तों के सारगर्भित प्रवचन हुए। द्वयपट्टधरों को श्रीसंघ की ओर से काम्बली वोहराकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

यहाँ से दोपहर में विहार कर विशाल मुनिमण्डल के साथ पट्टधरद्वयश्री बख्तगढ़ पधारे। यहाँ के श्रीसंघ ने भव्य मंगल प्रवेश करवाया और विभिन्न धार्मिक आयोजन किए।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति और गुरुभक्त उपस्थित रहे।

आचार्यद्वय की निश्रा में पंचाह्निका महोत्सव के साथ लाबरिया में धूमधाम के साथ प्रतिष्ठा सम्पन्न

लाबरिया,

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक परम्परा के विश्वपूज्य, कलिकाल-कल्पतरु दादागुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के प्रशिष्य पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं संघशिल्पी आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा., मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. आदि मुनिमण्डल एवं साध्वीश्री काव्यरत्नाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में मध्यप्रदेश के धार जिले के लाबरिया नगर में त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ लाबरिया द्वारा आयोजित भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु दिनांक 28-2-2018 को भव्यातिभव्य प्रवेश हुआ। प्रवेश की शोभायात्रा के साथ ही परमात्मा श्री धर्मनाथस्वामी एवं गणधर बिम्ब और गुरु बिम्ब का भव्यातिभव्य प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारम्भ हुआ। इस पंचाह्निका महोत्सव में श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी महापूजन सहित विविध पूजाएँ एवं विभिन्न धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुए।

तीर्थराज श्री मोहनखेड़ा के समीप लाबरिया नगर में प्रतिष्ठा महोत्सव की भव्य शोभायात्रा का आयोजन हुआ जिसमें नगर के साथ ही अन्य नगरों से अनेक गुरुभक्तों ने आकर महोत्सव की शोभा बढ़ाई। पुण्य-सम्राट के पट्टधरों की पावन निश्रा में प्रतिष्ठा के विभिन्न चढ़ावों के लाभ की स्वीकृति दी गई, जिसमें परमात्मा, गणधर एवं दादागुरुदेव की ध्वजा, बिराजमान करने आदि का लाभ गुरुभक्तों ने उत्साह एवं उमंग के साथ लिये जो इस नगर के लिए अविस्मरणीय है।

स्मरण रहे कि परमात्मा श्री धर्मनाथजी, गणधर श्री गौतमस्वामीजी एवं दादागुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरिजी म. सा. आदि बिम्बों की अंजनशलाका एवं प्राण प्रतिष्ठा पुण्य-सम्राट गुरुदेव के करकमलों से सन् 2016 में रतलाम चातुर्मास में हुई थी। दादा गुरुदेव के सप्तम पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. एवं संघशिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में 4-3-2018 को विधिविधान के साथ लाभार्थी परिवारों ने धूमधाम से ॐ पुण्याहं एवं जय-जयकारों से गगन गुँजायमान करते हुए प्रतिष्ठा की।

दोपहर को पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेशश्री की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्रीवसंतमालाश्रीजी म. सा. के अहमदाबाद में 77 वर्ष की आयु में 4-3-2018 को देवलोकगमन पर गुणानुवाद सभा आयोजित की गई। जिसमें आचार्यद्वय, श्रमण-श्रमणिवृन्द एवं गुरुभक्तों ने उनके संयम जीवन में किए गए तप-त्याग एवं शासन प्रभावना के कार्यों की अनुमोदना करते हुए गुणानुवाद किया।

इस अवसर पर अनेक श्रीसंघों, परिषद् के गणमान्य व्यक्ति एवं विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे। सभी अतिथियों और गुरुभक्तों की लाबरिया संघ ने सुन्दर स्वामीभक्ति की।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरों की पावन निश्रा में जयकारों के साथ दसई नगर में प्रतिमा प्रतिष्ठित

दसई,

मध्यप्रदेश के धार जिले में श्री मोहनखेड़ा तीर्थ के समीप स्थित दसई नगर में विश्वपूज्य गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के षष्ठम् पट्टधर पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की प्रतिमा की प्रतिष्ठा दिनांक 5-3-2018 को दसई नगर के जिनालय के प्रांगण में स्थित गुरु मन्दिर में श्रीसंघ दसई द्वारा पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार आचार्य भगवन्तश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में सम्पन्न हुई।

प्रतिष्ठा के पूर्व आचार्यद्वय का भव्य नगर प्रवेश एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव की प्रतिमा की शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई प्रवचन सभागार में धर्मसभा में परिवर्तित हुई। धर्मसभा गच्छाधिपतिश्री के मंगलाचरण से प्रारम्भ हुई, जिसमें आचार्यदेवेशश्री एवं मुनिवृन्द ने प्रवचन प्रदान किया।

आचार्यद्वय के सान्निध्य में उत्साह एवं गुलाल के साथ पुण्य-सम्राट गुरुदेव की प्रतिमा को बिराजमान किया गया। प्रतिमा बिराजमान करने का लाभ दसई निवासी श्री मगनलालजी लालचन्दजी परिवार ने लिया। नगर के श्री आदिनाथ जिनालय एवं गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा जिर्णोद्धार के पश्चात् पुण्य-सम्राट गुरुदेव की निश्रा में ज्येष्ठ शुक्ला 6, बुधवार, सं. 2064 को सम्पन्न हुई थी।

इस अवसर पर अनेक श्रीसंघों के गणमान्य, परिषद् पदाधिकारी एवं विशाल संख्या में गुरुभक्त पधारे और इस प्रतिष्ठा महोत्सव में अपनी गुरुभक्ति का परिचय दिया।

श्री भोपावर तीर्थ पर हुआ आचार्यद्वय का स्वागत

श्री भोपावर तीर्थ,

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं सूरिमन्त्राराधक, प्रवचनकार आचार्य भगवन्तश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का दिनांक 6-3-2018 को ऐतिहासिक तीर्थ श्री भोपावर में मंगल प्रवेश हुआ। श्री भोपावर तीर्थ ट्रस्ट मण्डल द्वारा गहुँली कर द्वय पट्टधरों को बधाते हुए स्वागत-अभिनन्दन किया।

यतीन्द्र वाणी के 24 वें वर्ष में प्रवेश पर आत्मीय निवेदन

लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक का 24 वें वर्ष में प्रवेश दिनांक 1 अप्रेल 2018 को हो रहा है। मेरे एक वर्ष के सम्पादन काल में गुरुभगवन्तों का शुभाशीर्वाद एवं सुधी पाठकों, सहयोगियों का आत्मीय स्नेह मुझे प्राप्त होता रहा है। यह आत्मीयता और सहयोग आगे भी मुझे प्राप्त होती रहेगी यही आत्मविश्वास है। वर्षभर में मेरे द्वारा सम्पादित समाचारों, विचारों से आपके मन को कोई आघात लगा हो तो आप क्षम्य करेंगे। आपके सुझाव एवं प्रतिक्रिया अपेक्षित है। आप सभी की प्रतिक्रियाएँ इसको निखारने में मेरा सम्बल बनेंगी।

-कुलदीप 'प्रियदर्शी', स. सम्पादक, यतीन्द्र वाणी पाक्षिक

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

रंगपंचमी पर श्री शान्तिनाथ जिनालय में भव्य धार्मिक आयोजन

धानासुता (म.प्र.), (स. सं.),

श्री शान्तिनाथ जिनालय धानासुता जिसका जीर्णोद्धार पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से प्रारम्भ हुआ था वर्तमान में यह पुण्यधरा एक तीर्थस्थल बन गई है। रंगपंचमी पर धानासुता में एक दिवसीय महोत्सव का कार्यक्रम आज विराट रूप ले चुका है। खाचरौद श्रीसंघ के अध्यक्ष श्री सुरेशजी मेहता व पुखराजजी मारटर महावीर संगीत मण्डल, नागदा श्री रमेशजी भण्डारी, धानासुता व श्री जानकीलालजी पण्डया के सहयोग से जिनालय में धार्मिक आयोजन प्रारम्भ किया गया। महावीर संगीत मण्डल की ओर से नागदा श्रीसंघ की एक बस प्रतिवर्ष यहाँ आती है व श्री नवपद पूजा का लाभ लिया जाता है, जिसमें अनेक श्रीसंघ के सदस्यों ने लाभ लिया।

प्रातः नवकारसी व स्वामीवात्सल्य का लाभ सुराणा परिवार खाचरौद द्वारा लिया गया। भगवान की मनमोहक अंगरचना श्री ज्ञानचन्दजी मेहता आदि द्वारा की गई। आरती के चढ़ावों में सभी भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महावीर संगीत मण्डल द्वारा एक बाजोट भेंट किया गया। नागदा परिषद् के अध्यक्ष श्री मनोज वाघरेचा सहपरिवार उपस्थित थे। श्री शान्तिनाथ दादा की भक्ति में संगीत की स्वरलहरियों पर सभी भक्त झूम उठे।

इस अवसर पर श्री सुरेशजी मेहता, श्री अभयजी सुराणा एवं पुजारी पंड्याजी का बहुमान किया गया। आगामी रंगपंचमी कार्यक्रम का लाभ श्री दीपेन्द्रजी डोसी जावरा वालों को श्रीसंघ की आज्ञा से आज प्रदान किया गया।

साध्वीजीश्री का देवलोकगमन

अहमदाबाद, (स. सं.)

त्रिस्तुतिक समुदाय में पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री वसंतमालाश्रीजी म. सा. का दिनांक 4-3-2018 को 77 वर्ष की आयु में अहमदाबाद में देवलोकगमन हो गया।

साध्वीश्री वसंतमालाश्रीजी का जन्म गुजरात के थराद नगर में श्रेष्ठीवर्य श्री रिखबचन्दभाई की धर्मपत्नी अम्बाबेन की कुक्षी से हुआ था, आपका सांसारिक नाम कान्ताबेन था एवं आप राजस्थान के आहोर नगर में महासुदी 10, सं. 2038 को संयम ग्रहण कर साध्वीश्री मुक्तिश्रीजी म. सा. की शिष्या के रूप में साध्वीश्री वसंतमालाश्री जी बने। आप राजनगर के इस वर्ष के चातुर्मास में मीठाखली-अहमदाबाद स्थित श्री राजेन्द्रसूरि आराधना भवन में बिराजमान थे। आपने तप-त्याग के साथ शासन प्रभावना के अनुपम कार्य किए वह सदा स्मरणीय रहेंगे।

साध्वीश्री वसंतमालाश्रीजी म. सा. की पालखी मीठाखली स्थित श्री यतीन्द्रसूरीश्वर आराधना भवन से दोपहर 3.30 बजे निकाली गई, जिसमें विशाल संख्या में गुरुभक्तों ने जय-जय नन्दा, जय-जय भद्रा एवं जयकार के घोष के साथ पूज्या साध्वीश्रीजी को अन्तिम विदाई दी।

साध्वीश्री वसंतमालाश्रीजी म. सा. के देवलोकगमन पर अनेक श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार ने अपने-अपने नगर में उनके संयम ग्रहण करने के पश्चात् उनके द्वारा किए गए तप-त्याग एवं शासन प्रभावना के उत्कृष्ट कार्यों की अनुमोदना करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

वर्षीतप के तपस्वियों की अनुमोदना

धार, (स. सं.)

गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीर्वाद से अखिल भारतीय बालिका परिषद् शाखा धार द्वारा धार नगर में चल रहे सामूहिक 41 वर्षीतप के तपस्वियों को प्रभावना वितरीत की गई एवं पारणे में परोसकारी का लाभ लिया और साथ ही सभी तपस्वियों की सुखसाता पृच्छा करते हुए अनुमोदना की।

गच्छाधिपतिश्री को शुभकामनाएँ दी

उदयपुर, (स. सं.)

प. पू. जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्य एवं गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. के 69वें जन्मदिवस पर श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ एवं अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् और परिषद् परिवार की ओर से वन्दना करते हुए दीर्घायु की कामना करते हुए शुभकामनाएँ प्रेषित की कि गच्छाधिपति जिनशासन एवं गुरुगच्छ की महिमा बढ़ाते रहे एवं सभी पर अपना आशीर्वाद बरसाते रहें।

गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. के जन्मदिवस पर अनेक नगरों में श्रीसंघ एवं परिषद् ने विभिन्न धार्मिक एवे जनसेवा के कार्यक्रम आयोजित किए। यतीन्द्र वाणी परिवार की ओर से वन्दना एवं दीर्घायु की मंगलकामनाएँ।

राजगढ़ में आचार्यों का आत्मीय मिलन

राजगढ़, (स. सं.)

श्री मोहनखेड़ा तीर्थ के समीप स्थित राजगढ़ नगर में दादा गुरुदेव के सप्तम पट्टधर एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. का दिनांक 7-3-2018 को भव्यातिभव्य मंगल प्रवेश हुआ।

आज यहाँ पर पुण्य-सम्राट के पट्टधरों से मिलने आचार्य श्रीमद्विजय शान्तिसूरीश्वरजी म. सा. के समुदाय के गच्छाधिपति श्रीमद्विजय राजशेखर-सूरीश्वरजी म. सा. अपने शिष्य मण्डल के साथ पधारे। आपश्री मोहनखेड़ा तीर्थ स्थित जयन्तसेनसूरि म्यूझियम में बिराजमान थे, वहाँ से विहार कर राजगढ़ पधारे। गच्छाधिपति के आगमन पर पुण्य सम्राट के पट्टधरद्वय ने सामने पधारकर अगवानी की। तीनों गुरु भगवन्तों का आत्मीय मिलन हुआ। गुरु भगवन्तों ने उपस्थित गुरुभक्तों को उपदेशित करते हुए पुण्य-सम्राट के संस्मरण को याद किए।

इस आत्मीय मिलन के पावन प्रसंग पर राजगढ़ श्रीसंघ ने गुरु भगवन्तों को कामबली वोहराकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पुण्य-सम्राट के पट्टधरों का भव्य प्रवेश

रिंगनोद, (स. सं.)

गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. का मालवे के रिंगनोद नगर में भव्य सामैया के साथ मंगल प्रवेश हुआ। परिषद के प्रान्तीय अध्यक्ष श्री रमेशजी धारीवाल ने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश परिषद् पदाधिकारी एवं अनेक श्रीसंघ एवं गुरुभक्त उपस्थित थे।

टाण्डा नगर में आचार्यद्वय का भव्य मंगल प्रवेश

टाण्डा, (स. सं.),

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्वे. श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार के संयुक्त तत्वावधान में टाण्डा नगरी पर असीम कृपा बरसाने वाले पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. एवं सूरिमन्त्राराधक आचार्यप्रवरश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का मंगल प्रवेश 11-3-2018 को भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। राजगढ़-कुक्षी रोड़ से प्रारम्भ शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई श्री अजीतनाथ जिनालय में प्रभु-गुरु दर्शन-वन्दन के बाद धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। आचार्यद्वयश्री ने सारगर्भित प्रवचन प्रदान किया।

आचार्यद्वय का दिनांक 12 मार्च को बाग, 13 मार्च को जयन्तसेन साधना कुटीर बाग, 14 मार्च को कुक्षी, 15 मार्च को लालनपुर तीर्थ, 16 मार्च को नान्दुरी तीर्थ, 17 मार्च को लक्ष्मणी तीर्थ एवं 18 मार्च 2018 को अलीराजपुर में मंगल प्रवेश होगा। यहाँ से मात्र 12 दिन में 400 कि. मी. उग्र विहार करके आचार्यद्वय पालीताणा में आयोजित वर्षीतप पारणोत्सव में अपनी निश्रा प्रदान कर आयोजित कार्यक्रम सम्पन्न करवायेंगे। पालीताणा प्रवेश एवं चातुर्मासिक उद्घोषणा पर्व चैत्र शुक्ला पूर्णिमा दिनांक 31-3-2018 को रखा गया है।

।। तीर्थाधिपति श्री महावीरस्वामिने नमः ।।
।। प्रभु श्रीमद्विजय राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेनसूरीश्वर गुरुभ्यो नमः।।
।। कृपासिन्धु गुरुदेव योगिराज श्री शान्तिविजय सद्गुरुभ्यो नमः ।।

भाण्डवपुर तीर्थाधिपति
श्री महावीरस्वामीजी भगवान

प. पू. आचार्य भगवन्त
श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.

अति प्राचीन
श्री भाण्डवपुर जैन महातीर्थ
श्री महावीर जन्मकल्याणक
एवं
चैत्री पूनम पर्व निमित्त

त्रिदिवसीय महोत्सव प्रसंगे
सकल श्रीसंघ

आमन्त्रण-पत्रिका

श्री महावीर जन्म कल्याणक पर्व
चैत्र शुक्ला 13,
दिनांक 29 मार्च 2018
गुरुवार

श्री चैत्री पूनम पर्व
चैत्र शुक्ला 15,
दिनांक 31 मार्च 2018
शनिवार

दिव्यकृपा

प. पू. पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त
श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा.

दिव्यकृपा

प. पू. संयमवयः स्थविर
श्री शान्तिविजयजी म.सा.

* आज्ञा प्रदाता *

प. पू. गच्छाधिपति आचार्यदेव
श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म.सा.

प. पू. भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेव
श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा.

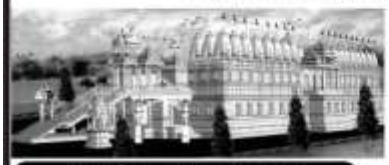

त्रिदिवसीय महोत्सव कार्यक्रम

चैत्र शुक्ला-13, दिनांक 29 मार्च 2018, गुरुवार
* श्री महावीर पंचकल्याणक पूजा,
* ध्यानोत्साहपाठ * शक्रस्तवाभिषेक

चैत्र शुक्ला-14, दिनांक 30 मार्च 2018, शुक्रवार
* श्री आदिनाथ पंचकल्याणक पूजा, * ध्यानोत्साहपाठ

चैत्र शुक्ला-15, दिनांक 31 मार्च 2018, शनिवार
* श्री सिद्धाचल कल्याण प्रकारी पूजा,
* मालकरणी * प्रतिष्ठित प्रभु पूजा
* अंगरचना * भक्ति-प्रभावना आदि विधिवत आयोजन

आयोजक-आमन्त्रक

श्री महावीर 52 जिनालय,
श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैनागम मन्दिर
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी ट्रस्ट
श्री वर्धमान-राजेन्द्र भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
श्री भाण्डवपुर तीर्थ
वाया- सायला, जिला- जालोर (राज.)
दूरभाष : 02977-270033
सम्पर्क- 7340019703, 9001248063, 9414344383

शुभ साम्राज्य

प. पू. पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर
प. पू. गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

सूरिमन्त्राराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार
प. पू. आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

शुभनिश्रा

प. पू. मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. आदि श्रमण मण्डल एवं
विदुषी साध्वीजी श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द

त्रिदिवसीय महोत्सव लाभार्थी

शा. शान्तिलालजी भबुतमलजी
बंदामुथा परिवार
ऐलाणा, जिला- जालोर (राज.)
* प्रतिष्ठान *
मीना होजरी सेन्टर
मामुल पेठ, बैंगलार (कर्नाटक)

योगी-वाणी

संगति का असर बहुत शीघ्र होता है। हमेशा तमोगुण और रजोगुण में रहने वाला व्यक्ति भी थोड़ी देर आकर सत्संग में बैठ जाये तो उसमें भी सकारात्मक और सात्त्विक ऊर्जा का संचार होने लगेगा।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

सह सम्पादक
कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री..
....
....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित